

पाँच खंबों वाला गाँव



कहानी: मुकेश मालवीय
चित्र: प्रोइती राय

Five Pole Village

This book has been made possible by the generous donors of Room to Read.

Story : Mukesh Malviya
Illustration : Proiti Roy
Publisher : Room to Read India
Editor : Dilip Tanwar
Language : Hindi
Project ID : IN-LLP-14-0011
Edition : First, 2014
Copies : 4,000 Copies
Printer : Nikhil Offset



Room to Read®

World Change Starts
with Educated Children.®

ISBN: 978-93-81038-96-3

Copyright © Room to Read 2014.
All rights reserved.

Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor,
D-21 Corporate Park,
Sector – 21, Dwarka,
New Delhi – 110075
Phone - 011 30491900
www.roomtoread.org

Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develop literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.



Room to Read®

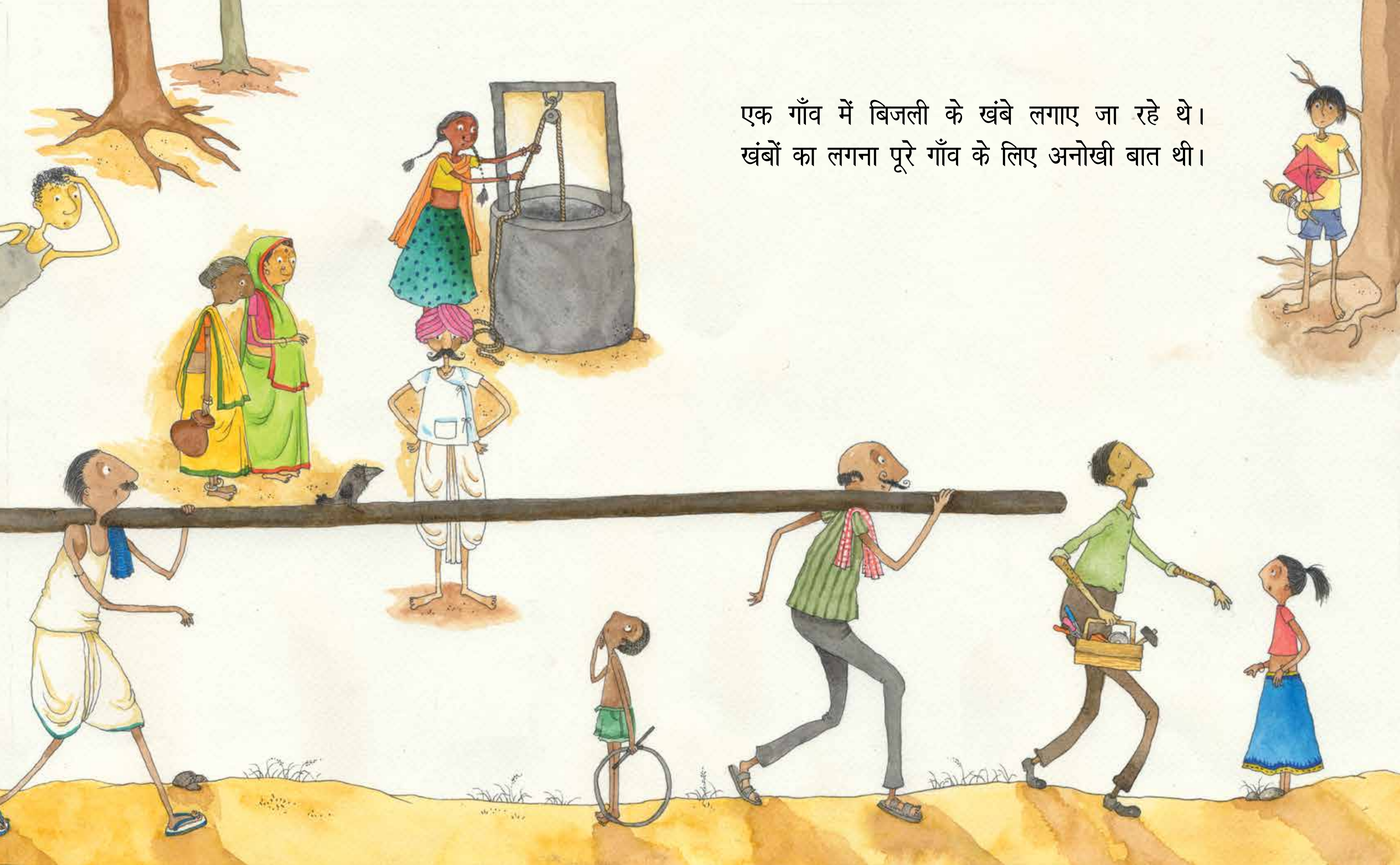
World Change Starts
with Educated Children.®

पाँच खंभों वाला गाँव



कहानी: मुकेश मालवीय
चित्र: प्रोइती राय

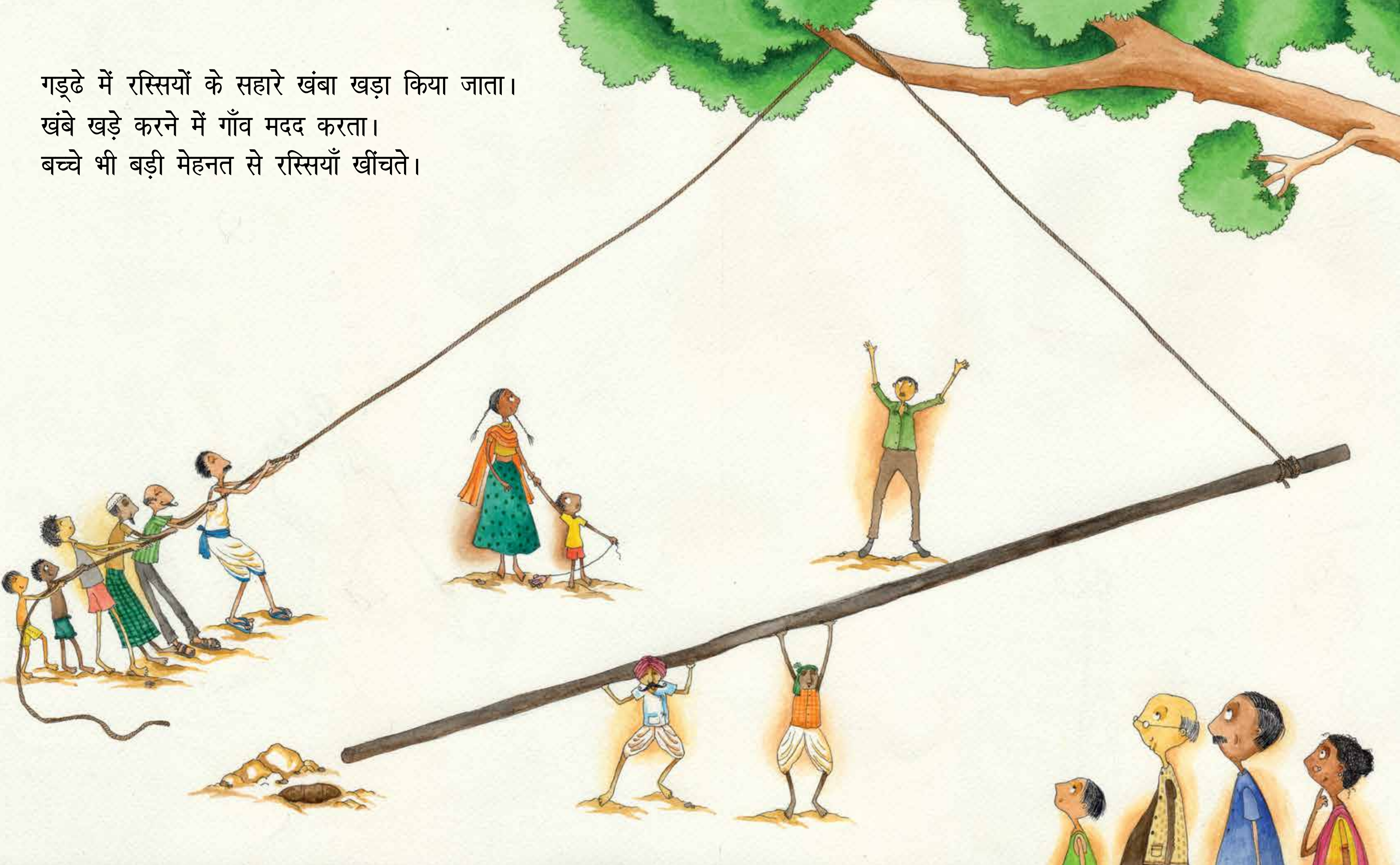
एक गाँव में बिजली के खंभे लगाए जा रहे थे।
खंभों का लगना पूरे गाँव के लिए अनोखी बात थी।



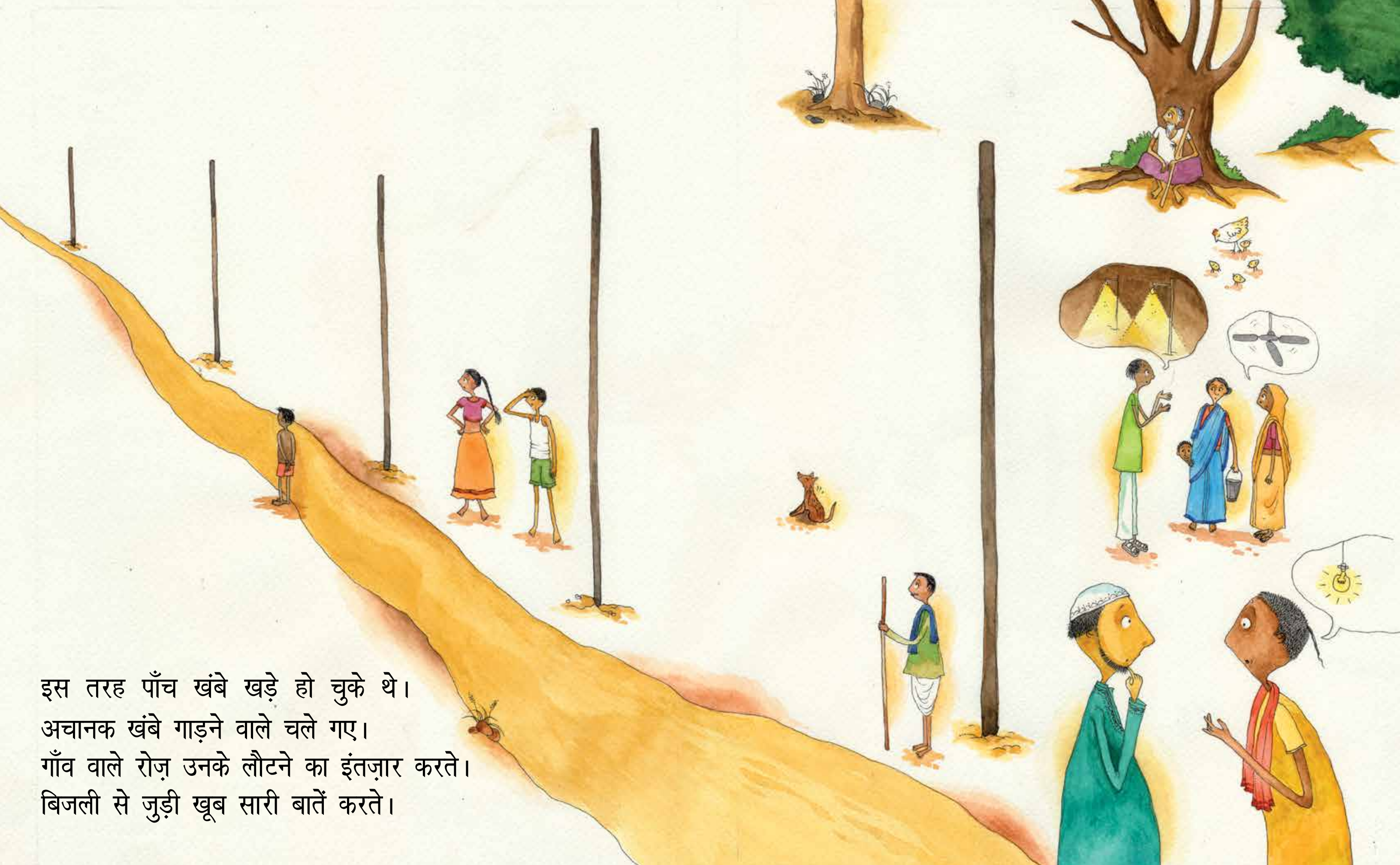
रोज़ाना खंबे के लिए एक गड्ढा खोदा जाता।
सारा गाँव उस समय वहाँ इकट्ठा हो जाता।



गड्ढे में रस्सियों के सहारे खंभा खड़ा किया जाता।
खंभे खड़े करने में गाँव मदद करता।
बच्चे भी बड़ी मेहनत से रस्सियाँ खींचते।



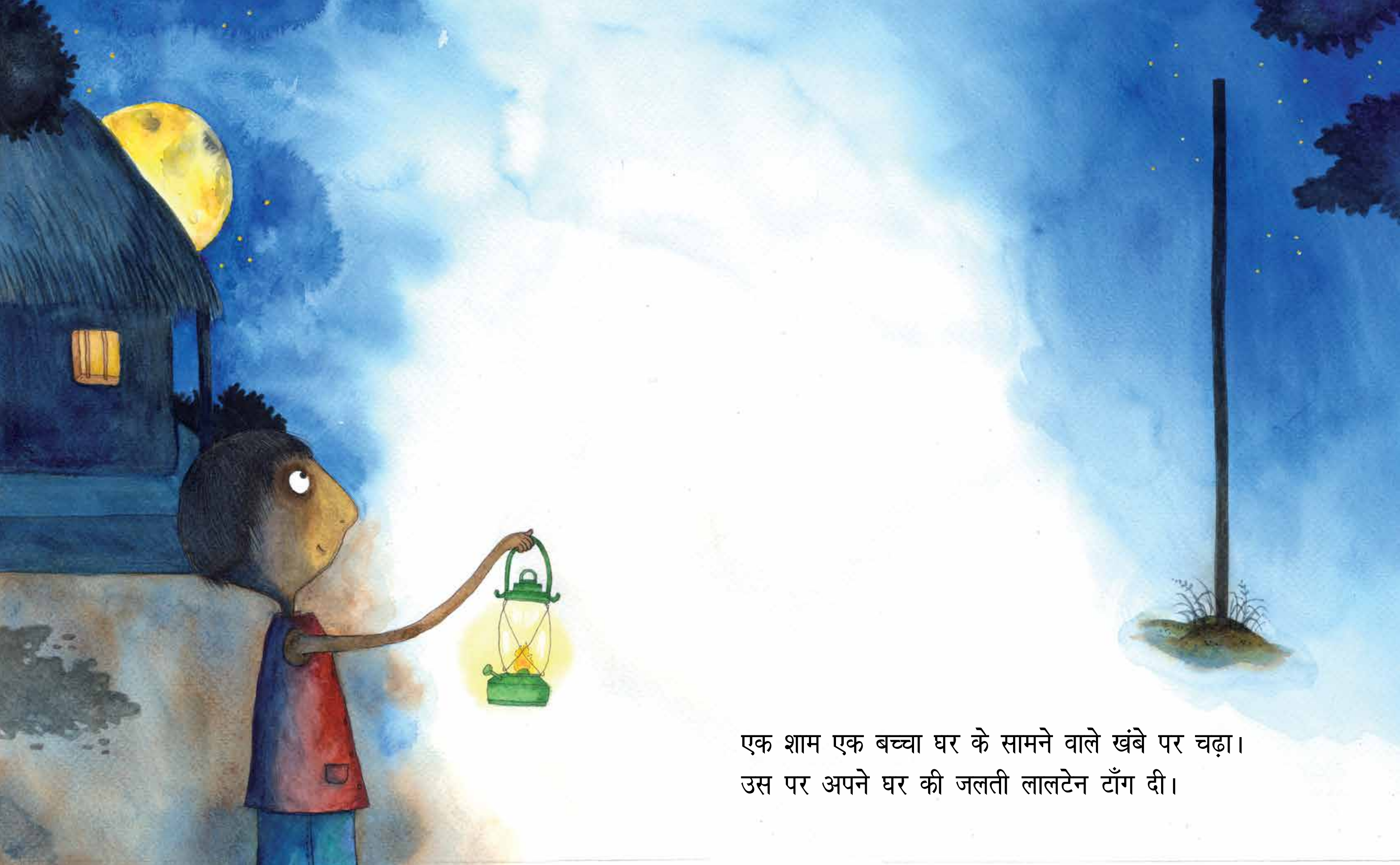
इस तरह पाँच खंभे खड़े हो चुके थे।
अचानक खंभे गाड़ने वाले चले गए।
गाँव वाले रोज़ उनके लौटने का इंतज़ार करते।
बिजली से जुड़ी खूब सारी बातें करते।





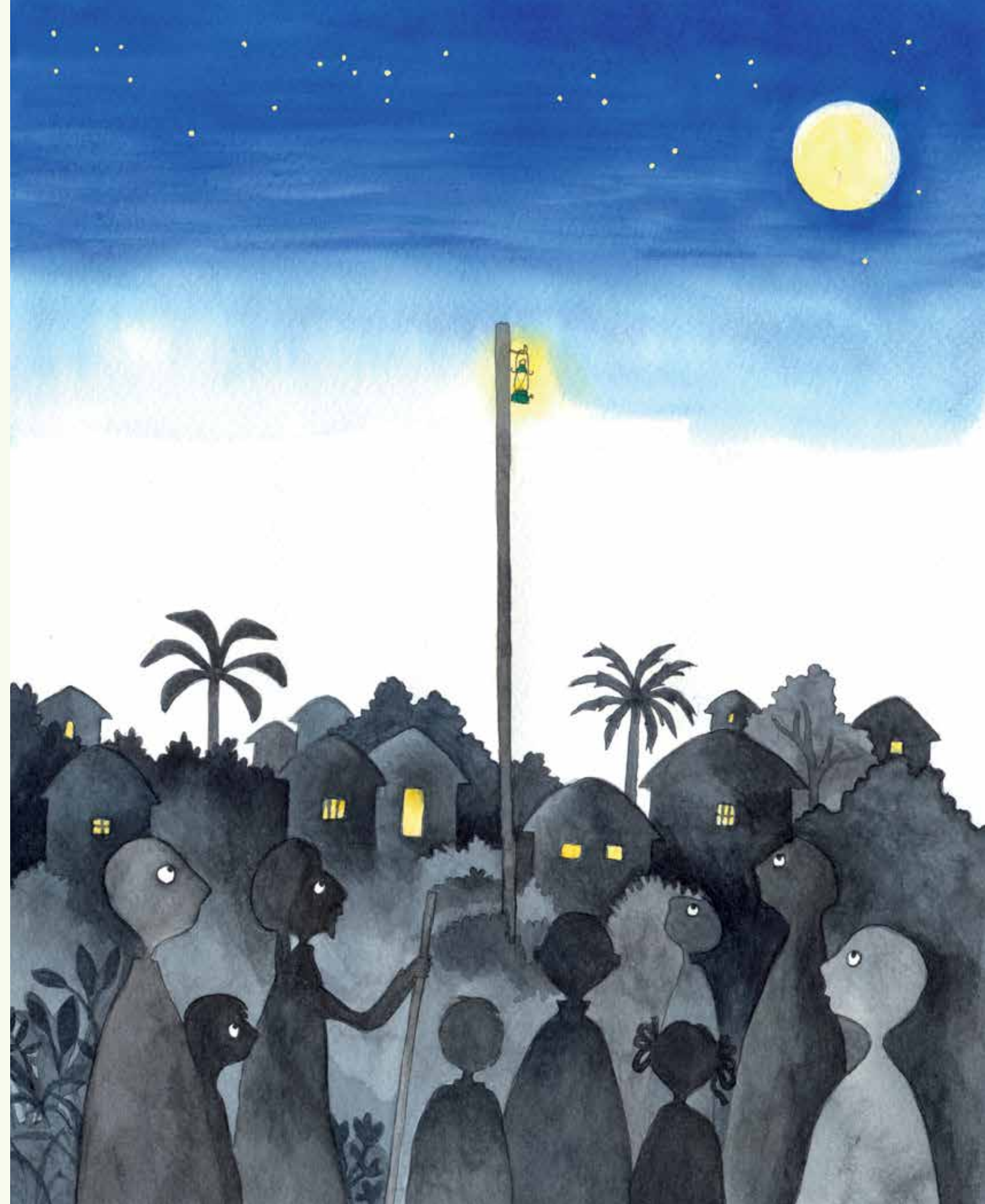
धीरे-धीरे लोग इन खंभों पर चढ़ने-उतरने लगे।
इन पर चढ़कर दूर के गाँव के नज़ारे देखते।
इस तरह कई दिन बीत गए।

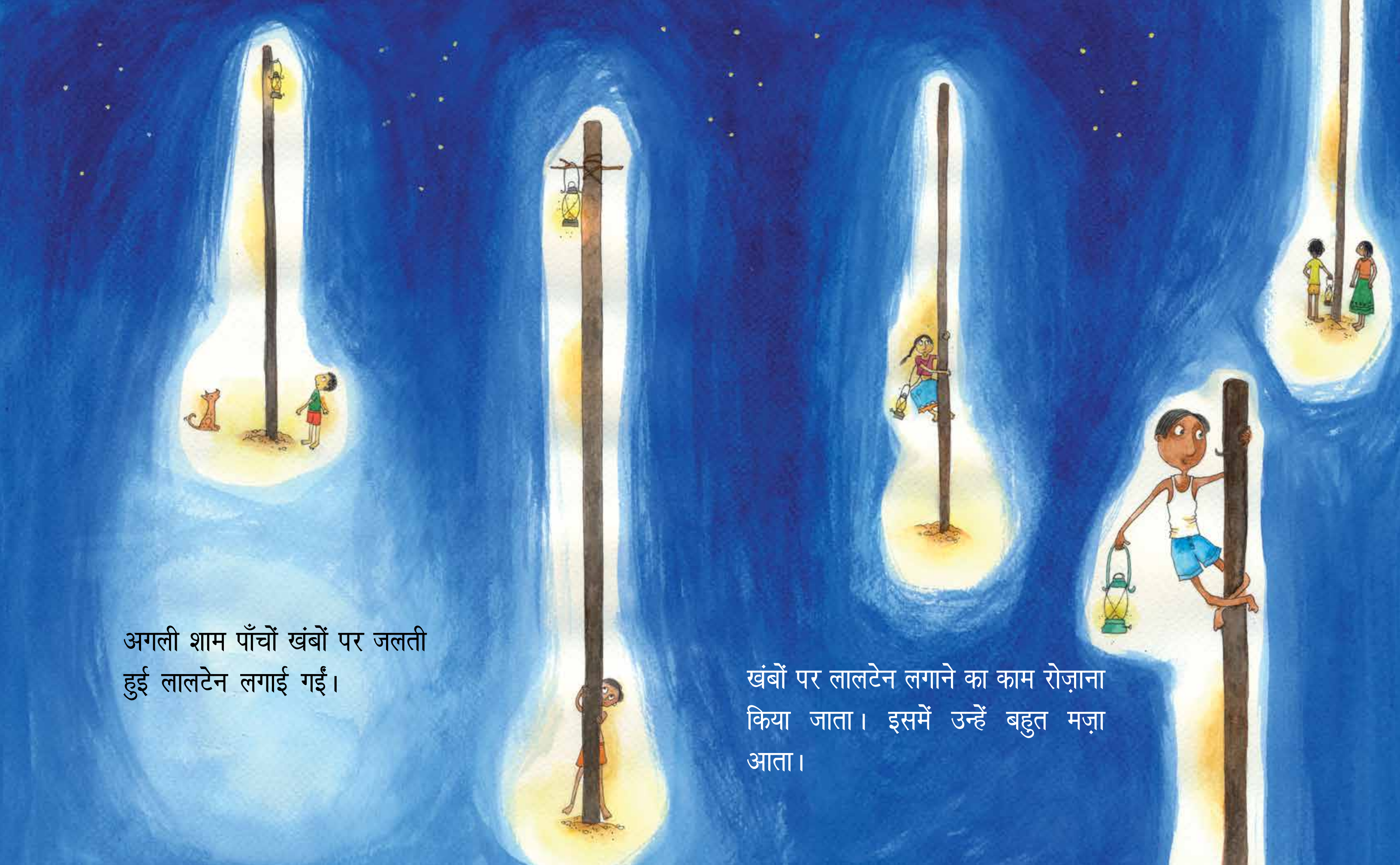




एक शाम एक बच्चा घर के सामने वाले खंबे पर चढ़ा।
उस पर अपने घर की जलती लालटेन टाँग दी।

खंबे पर जलती लालटेन पूरे गाँव ने देखी।



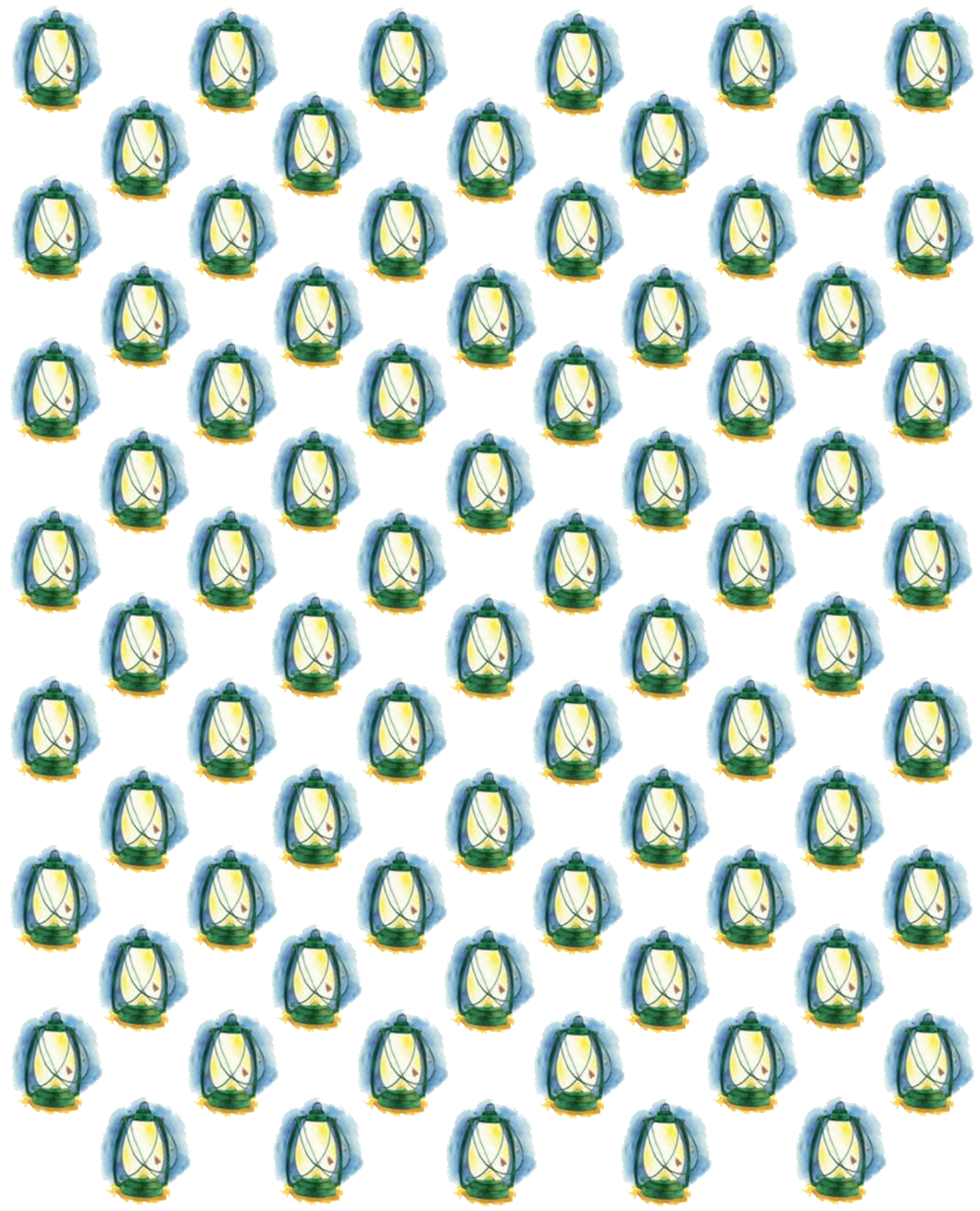


अगली शाम पाँचों खंबों पर जलती
हुई लालटेन लगाई गईं।

खंबों पर लालटेन लगाने का काम रोज़ाना
किया जाता। इसमें उन्हें बहुत मज़ा
आता।

आस-पास के गाँवों से यह गाँव रात में भी दिखता।
वे लोग इसे पाँच खंबों वाला गाँव कहने लगे।





कहानी: मुकेश मालवीय

मुकेश मालवीय पिछले दो दशकों से सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं। इस नौकरी में मुकेश का मन रमता है क्योंकि यहाँ वे बच्चे-बच्चियों के साथ बातचीत कर पाते हैं। मुकेश स्कूल के लिए कोर्स की किताबें तैयार करते रहे हैं। उन्हें लगता है कि कोर्स की किताबें भी कुछ इस तरह लिखी जाएँ कि बच्चे-बच्चियाँ उन्हें उसी चाव से पढ़ें जिस चाव से वे कहानी की किताब पढ़ते हैं।

Story: Mukesh Malviya

Mukesh Malviya has worked as a teacher in government schools for over twenty years. He enjoys his work as it provide him the opportunity to learn from children and engage them in the learning process. In addition to teaching, Malviya is involved in the development of textbooks for schools and hopes to create textbooks that children will find as appealing as storybooks.



चित्र: प्रोइती राय

प्रोइती राय ने 1987 में कला भवन शांतीनिकेतन से ललित कला की डिग्री हासिल की। राय ने बच्चों के लिए चित्रण करने के अलावा विज्ञापन एवं निर्माण में ग्राफ़िक डिज़ायनर तथा अनुपयोगी सामग्री से हस्तशिल्प बनाने का काम भी किया है। ये पिछले 12 वर्षों से पश्चिम बंगाल में बच्चों को कला सिखा रही हैं। इन्हें जीवों से बहुत लगाव है और बचाए गए 15 कुत्तों को अपने साथ रखती हैं।

Illustration: Proiti Roy

Proiti Roy earned her degree in fine arts from Kala Bhavan, Shantiniketan in 1987. In addition to illustrating stories for children, Roy has worked as a graphic designer in advertising and manufacturing, has worked with handicrafts in recycled mediums, and has taught art to children in Kolkata for 12 years. She loves animals and lives with 15 rescued dogs in West Bengal.

गाँव वाले बहुत उत्साहित हैं क्योंकि विद्युत विभाग के लोग उनके गाँव में खंभे लगाने आते हैं। हर रोज़ जब कर्मचारी आते तो गाँव वाले भी वहाँ आकर इकट्ठे हो जाते और बड़ी उत्सुकता से उन्हें देखते। खंभे लगाने में उनकी मदद भी करते। लेकिन खंभों पर तार लगने से पहले ही कर्मचारी गायब हो गए। गाँव वाले उनके आने का इंतज़ार करते रहे, पर वे वापस नहीं आए और गाँव में बिजली आने की उम्मीदें टूटने लगीं। अब गाँव वाले इन पाँच खंभों का क्या करेंगे?

The villagers were excited to hear that the electricity department was coming to install poles to provide electricity to the village. Each day when the workers arrived, the village gathered around them, excitedly watching and helping install the poles. But after five poles had been installed, and before the electricity was connected, the workers disappeared. The villagers waited for them to return, but they did not, and the villagers began to lose hope for receiving electricity. What do you think the village will do with the five poles?